UPHIN/2009/44666
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
सत्ता एक्सप्रेस
डी.ए.वी.पी नई दिल्ली एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त
वर्ष: 13 अंक: 03 कानपुर देहात, गुरुवार 14 अक्टूबर 2021 Email: sattaexpress@rediffmail.com पृष्ठ: 4

किसान समन्वित पोषक तत्वों का करें प्रयोग, मृदा स्वास्थ्य के साथ बढ़ेगी उपज : डॉ खलील खान

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित अनोगी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने जलालाबाद ब्लॉक के ग्राम पचपुखरा में किसानों को गेहूं फसल में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कृषक प्रशिक्षण के दौरान किसानों को बताया कि रासायनिक उर्वरकों के अधिकाधिक प्रयोग करने से एवं जैविक खादों के प्रयोग न करने से मृदा में जीवांश कार्बन की गिरावट आई है। जिससे मृदा का स्वास्थ्य असंतुलित हो गया है। उन्होंने बताया कि एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन सिद्धांत का अर्थ लंबे समय तक टिकाऊ खेती से फसल उत्पादकता के लिए मृदा उर्वरता को बनाए रखना होता है। डॉ खलील खान ने बताया कि कई प्रयोगों से सिद्ध हुआ है कि गोबर की सड़ी

खाद, केंचुआ खाद, नाडेप कंपोस्ट, हरी खाद एवं उर्वरकों के एकीकृत प्रयोग से विभिन्न फसल प्रजातियों से मृदा उर्वरता में सुधार के कारण अधिक उत्पादन प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि कंपोस्ट खाद व उर्वरकों के प्रयोग से जहां पादप पोषकों में वृद्धि हुई है। वही अप्रत्यक्ष रूप से मृदा के भौतिक, रासायनिक एवं जैविक गुणों में सुधार हो कर फसल उत्पादकता बढ़ी है। उन्होंने बताया कि एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन से मृदा में मुख्य पोषक तत्व जैसे नाइट्रोजन, फास्फोरस पोटाश द्वितीयक पोषक तत्व सल्फर, कैल्शियम एवं मैग्नीशियम के अतिरिक्त सूचम पोषक तत्व जैसे जिंक,आयरन,मैग्नीज,कॉपर, मॉलीब्लेडिनम,लोहा, मैग्नीज आदि पोषक तत्वों की फसलों में उपलब्धता बढ़ी है। जिससे फसल का उत्पादन अधिक होता है। उन्होंने उपस्थित किसानों से अपील की है कि वे अपनी फसलों में एकीकृत पोषक तत्व प्रयोग करें। इससे गुणवत्ता पूर्ण कृषि उत्पाद होगा तथा पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। मौसम वैज्ञानिक अमरेंद्र सिंह ने बताया कि किसान भाई फसल बुवाई करते समय मौसम का अवश्य ध्यान रखें।इस अवसर पर ग्राम पचपुखरा के राहुल, सर्वदीप सिंह सहित अन्य किसान उपस्थित रहे।

82 जोड़े वैवाहिक बन्धन में बंध

संगीता सिंह सत्ता एक्सप्रेस

www.facebook.com/worldkhabarexpress www.twitter.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress
WORLD खबर EXPRESS
बुधवार, 13-10-2021 अंक-375
www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com
WORLD खबर एक्सप्रेस
MID DAY E-PAPER

रासायनिक उर्वरकों के उपयोग से मिट्टी का स्वास्थ्य असंतुलित

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित अनोगी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने जलालाबाद ब्लॉक के ग्राम पचपुखरा में किसानों को गेहूं फसल में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने किसानों को बताया कि रासायनिक उर्वरकों के अधिकाधिक प्रयोग करने से एवं जैविक खादों के प्रयोग न करने से मृदा में जीवांश कार्बन की गिरावट आई है। इससे मृदा का स्वास्थ्य असंतुलित हो गया है। उन्होंने बताया कि एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन सिद्धांत का अर्थ लंबे समय तक टिकाऊ खेती से फसल उत्पादकता के लिए मृदा उर्वरता को बनाए रखना होता है। डॉ. खलील खान ने बताया कि कई

प्रयोगों से सिद्ध हुआ है कि गोबर की सड़ी खाद, केंचुआ खाद, नाडेप कंपोस्ट, हरी खाद एवं उर्वरकों के एकीकृत प्रयोग से फसल प्रजातियों से मृदा उर्वरता में सुधार के कारण अधिक उत्पादन हुआ है। उन्होंने बताया कि कंपोस्ट खाद व उर्वरकों के प्रयोग से जहां पादप पोषकों में वृद्धि हुई है। वहीं अप्रत्यक्ष रूप से मृदा के भौतिक, रासायनिक एवं जैविक गुणों में सुधार हुआ है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे अपनी फसलों में एकीकृत पोषक तत्व प्रयोग करें। मौसम वैज्ञानिक अमरेंद्र सिंह ने बताया कि किसान फसल बुवाई करते समय मौसम का अवश्य ध्यान रखें। इस अवसर पर ग्राम पचपुखरा के राहुल, सर्वदीप सिंह सहित अन्य किसान उपस्थित रहे।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र
जनमत टुडे
RNI-NO.UTTBIL/2007/20760

3 राजनाथ के धाकड़ बल्लेबाज पर प्रीतम का कटाक्ष

वर्ष:12 अंक:276 देहरादून, बुधवार, 13 अक्टूबर, 2021 पृष्ठ:08 मूल्य:2/रु. प्रति

समन्वित पोषक तत्वों का प्रयोग करें किसान, मृदा स्वास्थ्य के साथ बढ़ेगी उपज

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित अनोगी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने जलालाबाद ब्लॉक के ग्राम पचपुखरा में किसानों को गेहूं फसल में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी उन्होंने कृषक प्रशिक्षण के दौरान किसानों को बताया कि रासायनिक उर्वरकों के अधिकाधिक प्रयोग करने से एवं जैविक खादों के प्रयोग न करने से मृदा में जीवांश कार्बन की गिरावट आई है जिससे मृदा का स्वास्थ्य असंतुलित हो गया है उन्होंने बताया कि एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन

सिद्धांत का अर्थ लंबे समय तक टिकाऊ खेती से फसल उत्पादकता के लिए मृदा उर्वरता को बनाए रखना होता है डॉ खलील खान ने बताया कि कई प्रयोगों से सिद्ध हुआ है कि गोबर की सड़ी खाद, केंचुआ खाद, नाडेप कंपोस्ट, हरी खाद एवं उर्वरकों के एकीकृत प्रयोग से विभिन्न फसल प्रजातियों से मृदा उर्वरता में सुधार के कारण अधिक उत्पादन प्राप्त हुआ है उन्होंने बताया कि कंपोस्ट खाद व उर्वरकों के प्रयोग से जहां पादप पोषकों में वृद्धि हुई है वही अप्रत्यक्ष रूप से मृदा के भौतिक, रासायनिक एवं जैविक गुणों में सुधार हो कर फसल उत्पादकता बढ़ी है उन्होंने बताया कि एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन से मृदा में मुख्य पोषक तत्व जैसे नाइट्रोजन, फास्फोरस पोटाश द्वितीयक पोषक तत्व सल्फर, कैल्शियम एवं मैग्नीशियम के अतिरिक्त सूचम पोषक तत्व जैसे जिंक,आयरन, मैग्नीज,कॉपर, मॉलीब्लेडिनम, लोहा, मैग्नीज आदि पोषक तत्वों की फसलों में उपलब्धता बढ़ी है जिससे फसल का उत्पादन अधिक होता है उन्होंने उपस्थित किसानों से अपील की है कि वे अपनी फसलों में एकीकृत पोषक तत्व प्रयोग करें इससे गुणवत्ता पूर्ण कृषि उत्पाद होगा तथा पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा मौसम वैज्ञानिक अमरेंद्र सिंह ने बताया कि किसान भाई फसल बुवाई करते समय मौसम का अवश्य ध्यान रखें इस अवसर पर ग्राम पचपुखरा के राहुल, सर्वदीप सिंह सहित अन्य किसान उपस्थित रहे।

आज महानगर कानपुर 14 अक्टूबर, 2021 5

फसलों में एकीकृत पोषक तत्वों का प्रयोग करें किसान, बढ़ेगी पैदावार

कानपुर, 13 अक्टूबर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित अनोगी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने जलालाबाद ब्लॉक के ग्राम पचपुखरा में किसानों को गेहूं फसल में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कृषक प्रशिक्षण के दौरान किसानों को बताया कि रासायनिक उर्वरकों के अधिकाधिक प्रयोग करने से एवं जैविक खादों के प्रयोग न करने से मृदा में जीवांश कार्बन की गिरावट आई है, जिससे मृदा का स्वास्थ्य असंतुलित हो गया है। उन्होंने बताया कि एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन सिद्धांत का अर्थ लंबे समय तक टिकाऊ खेती से फसल उत्पादकता के लिए मृदा उर्वरता को बनाए रखना होता है। डॉ खलील खान ने बताया कि कई प्रयोगों से सिद्ध हुआ है कि गोबर की सड़ी खाद, केंचुआ खाद, नाडेप कंपोस्ट, हरी खाद एवं उर्वरकों के एकीकृत प्रयोग से विभिन्न फसल प्रजातियों से मृदा उर्वरता में सुधार के कारण अधिक उत्पादन प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि कंपोस्ट खाद व उर्वरकों के प्रयोग से जहां पादप पोषकों में वृद्धि हुई है। वही अप्रत्यक्ष रूप से मृदा के भौतिक, रासायनिक एवं जैविक गुणों में सुधार हो कर फसल उत्पादकता बढ़ी है। उन्होंने बताया कि एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन से मृदा में मुख्य पोषक तत्व जैसे नाइट्रोजन, फास्फोरस पोटाश द्वितीयक पोषक तत्व सल्फर, कैल्शियम एवं मैग्नीशियम के अतिरिक्त सूचम पोषक तत्व जैसे जिंक, आयरन, मैग्नीज, कॉपर, मॉलीब्लेडिनम,लोहा, मैग्नीज आदि पोषक तत्वों की फसलों में उपलब्धता बढ़ी है। जिससे फसल का उत्पादन अधिक होता है।